वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 213 | शुक्रवार 29 नवम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर के भिखारियों को बनाया जाएगा आत्मनिर्भर

जयपुर. कासं

राइजिंग राजस्थान के दौरान जयपुर को खूबसूरत बनाने के साथ ही भिखारी मुक्त भी बनाया जा रहा है। नगर निगम हेरिटेज द्वारा अभियान के तहत शहर में भिखारियों का रेस्क्यू किया जा रहा है। जिन्हें पुनर्वास केंद्र पर पहुंचाकर न सिर्फ उनके रहने और भोजन की व्यवस्था की गई है। बल्कि भविष्य में उन्हें भीख ना मांगनी पड़े। इसके लिए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की ट्रेनिंग भी दी जाएगी। जिसके तहत हेरिटेज निगम द्वारा अब तक पांच दर्जन से ज्यादा भिखारियों का रेस्क्यू किया जा चुका है। दरअसल, 9, 10 और 11 दिसंबर को जयपुर में राइजिंग राजस्थान सब्मिट का आयोजान किया जा रहा है। जिसमें दुनियाभर से निवेशक हिस्सा लेने के लिए जयपुर आ रहे है। ऐसे में शासन- प्रशासन द्वारा जयपुर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के साथ ही भिखारी मुख्त भी बनाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 24 नवंबर से ही नगर निगम हेरिटेज द्वारा जयपुर शहर में भिक्षवर्ती (भीख मांग) कर जीवन यापन कर रहे लोगों को पकड़ पुनसुर्धार केंद्र में भिजवाया जा रहा है। इसके साथ ही हेरिटेज नगर निगम द्वारा सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से इन सभी लोगों के लिए भोजन और रहने की व्यवस्था के साथ ही इनका मेडिकल चेकअप भी किया जा रहा है।

राज्यपाल बागडे ने अखिल भारतीय यादव महासभा 'अहीर' द्वारा 'भगवान कृष्ण विचार एवं जनमानस' विषयक आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया

राज्यपाल ने फल की इच्छा बगैर कर्म करने के लिए किया आह्वान, रामायण में सीता और महाभारत में गीता हमारी मार्गदर्शक: राज्यपाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि रामायण में सीता और महाभारत में गीता हमारी मार्गदर्शक है। सीता माई ने जो कठिनाई झेली वह जीवन पथ का आलोक है। उन्होंने रामायण और गीता को विश्व के प्राचीनतम ग्रंथ बताते हुए कहा कि यही भारत की संस्कृति और धर्म है। बागडे गुरुवार को अखिल भारतीय यादव महासभा 'अहीर' द्वारा 'भगवान कृष्ण विचार एवं जनमानस' विषयक आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यादव महासभा द्वारा कृष्ण के सर्वधर्म सद्भाव की संस्कृति का सर्वत्र प्रसार करने का आह्वान किया। उन्होंने कृष्ण के फल की इच्छा के बगैर कर्म करने के गीता के संदेश से प्रेरणा लेकर जीवन जीने पर जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि भगवान कृष्ण कभी इतिहास नहीं हो सकते। वह जनमानस में गहरे से रचे-बसे हैं। कृष्ण की बांसुरी और राधा से उसकी डाह की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि उनके बगैर जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने भगवान कृष्ण को युगप्रवर्तक बताते हुए कहा कि जहां अन्याय-अत्याचार हुआ उसका विरोध किया। संस्कृति की हानि हुई तो भगवान ने आगे आकर उसका संरक्षण किया। राज्यपाल ने कृष्ण- सुदामा की मित्रता की चर्चा करते हुए कहा कि उनकी मित्रता निभाने के संस्कार से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कृष्ण के माखनचोर स्वरूप की कथा सुनाते हुए कहा कि वह हमेशा ईश्वर होते हुए भी मनुष्य की भांति रहे। समारोह में नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कृष्ण और यादव समाज से जुड़े गौरव की चर्चा की। अखिल भारतीय यादव महासभा के डा. अशोक यादव ब्रिगेडियर प्रताप सिंह आदि ने भी विचार रखे।

चिकित्सा विभाग का तकनीकी नवाचार

वीडियो कॉल से चिकित्सा संस्थानों में औचक संवाद, प्रमुख शासन सचिव ने बालोतरा जिले में कॉल कर की शुरूआत

100 अधिकारियों ने 2 घंटे में किए 1 हजार वीडियो कॉल, स्वास्थ्य कार्मिकों एवं रोगियों से संवाद कर जांची स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार सुदृढ़ बनाया जा रहा है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग निरंतर तकनीकी नवाचार कर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित कर रहा है। इसी कड़ी में विभाग ने अभिनव पहल करते हुए चिकित्सा संस्थानों में वीडियो कॉल के माध्यम से सीधा औचक संवाद प्रारंभ किया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने इस नवाचार की शुरूआत बालोतरा जिले के जसोल क्षेत्र के आयुष्मान आरोग्य मंदिर मूंगड़ा में वीडियो कॉल कर की। उन्होंने अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ ब्लॉक, बारां जिले के अटरू, चूरू जिले के सरदार शहर, डीग जिले के नगर एवं ब्यावर जिले के जैतारण ब्लॉक के चिकित्सा संस्थानों में वीडियो कॉल कर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। राठौड़ ने चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं महिला स्वास्थ्य कार्यकताओं से संवाद कर उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं के बारे में जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा पोषण दिवस होने के कारण इस अवसर पर उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं के बारे में भी चर्चा की। राठौड़ ने लाभार्थियों से संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं उपलब्धता के संबंध में फीडबैक भी लिया। आएमएससीएल की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक भारती दीक्षित, राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रियंका गोस्वामी, निदेशक आईईसी शाहीन अली खान, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर, निदेशक आरसीएच डॉ. सुनीत सिंह राणावत सहित अन्य निदेशक, अतिरिक्त निदेशक, परियोजना निदेशक, स्टेट नोडल ऑफिसर, संयुक्त निदेशक जोन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों सहित राज्य, संभाग एवं जिला स्तर के 100 से अधिक अधिकारियों ने दो घंटे में एक हजार से अधिक कॉल कर करीब 1 हजार चिकित्सा संस्थानों में सीधा संवाद किया।

कर्मठ समाज सेवी, ऊर्जस्वल व्यक्तित्व,समन्वयी मानव, कोटखावदा के जाज्वल्यमान नक्षत्रः विनोद जैन 'कोटखावदा'

वदनं प्रसाद सदनं, हृदयं सदयं सुधामुन्यौवाचः।
करणं परोपकरणयेषां, तेषां जातिर्धन्या॥

अर्थात जिनके मुख पर सदा प्रसन्नता चमकती है, हृदय में करुणा का सागर उमड़ता रहता है--वाणी में अमृत भरा रहता है और कार्य प्रणाली में परोपकारिता का निवास रहता है उनका जीवन धन्य है। इस वसुन्धरा पर अनेकों भव्य प्राणियों ने जन्म लिया है उनमें से कई व्यक्तियों ने अपने कामों से अपने आपको अमर बना लिया। अमर बनाने वाले व्यक्तियों में यदि हम मूल्यांकन करें तो वे ही हैं जो निःस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करते हैं। विनोद कुमार जैन 'कोटखावदा'- एक ऐसा नाम है जो सुनते ही एक सेवाभावी व्यक्ति का मूर्त रूप दिखाई पडता है--जिस व्यक्ति ने कभी भी यह नहीं सोचा कि मैं जिस प्राणी के लिए कार्य कर रहा हूं वह बड़ा है, छोटा है, सजातीय है या कोई और है। उनका सिर्फ सेवा ही लक्ष्य रहा है। कुछ लोग इस सेवाभाव को ठीक न समझ कर उनकी आलोचना करने से भी नहीं चूकते-पर ऐसे वे व्यक्ति हैं जिनका कार्य विनोद जैन साहब से नहीं पड़ा। राजस्थान प्रान्त की राजधानी जयपुर जिले का एक गाँव है कोटखावदा। वर्तमान में कोटखावदा तहसील मुख्यालय है। ढूँढाड़ के इस बेहतरीन गाँव के निवासी नेमीचन्द जैन एवं श्रीमती मुन्ना देवी के घर एक कुल दीपक विनोद कुमार जैन का जन्म 5 नवम्बर, 1964 को हुआ। विनोद से छोटी पाँच बहिनें पुष्पा, कुसुम, सुनिता, अंजना एवं सन्तोष है। इनके पिता नामी हलवाई थे और 'नेमजी हलवाई' के नाम से आसपास के 100 किलोमीटर क्षेत्र में मशहूर थे। बचपन से कर्मशील व संवेदनशील, मेधावी छात्र विनोद की शुरूआती शिक्षा आठवीं कक्षा तक कोटखावदा के सरकारी स्कूल में हुई । ये स्कूल के सर्वश्रेष्ठ छात्रों में से एक थे। ये सारे अध्यापक गणों के प्रिय थे। आगे की पढ़ाई के लिए वर्ष 1978 में ये जयपुर अपने मौसाजी रुपचन्द कासलीवाल एवं मौसीजी श्रीमती मैना देवी कासलीवाल के यहाँ आ गये। जयपुर के गणगौरी बाजार स्थित रथखाना सरकारी स्कूल में दाखिल हुए,जहाँ से कॉमर्स विषय से दसवीं कक्षा पास की। यहां भी ये स्कूल में टॉपर रहे। सन् 1981 में राजकीय दरबार स्कूल से ग्यारहवीं कक्षा उत्तीर्ण की। आगे के शिक्षा के लिए राजस्थान विश्वविद्यालय के कॉमर्स कॉलेज से बीकॉम करने के लिए वर्ष 1981 में प्रविष्ट हुए। कॉमर्स कॉलेज से बी कॉम (आनर्स) की डिग्री अर्जित करने से पहले ही विनोद की 21 दिसम्बर,1983 को राजस्थान सरकार के स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग,जयपुर में मंत्रालयिक संवर्ग में कनिष्ठ लिपिक के पद पर नियुक्ति हो गयी। 20 मई,1989 को जयपुर के मालवीय नगर निवासी महेन्द्र कुमार साह एवं श्रीमती माया साह आबूजी वालों की सुपुत्री दीपिका से विनोद जैन का विवाह सम्पन्न हुआ। इनके दो संतानें पुत्री दिव्या एवं पुत्र ऋषभ हुए। पुत्री दिव्या का जयपुर श्योपुर निवासी जोबनेर वाले अशोक बाकलीवाल एवं श्रीमती प्रेमलता बाकलीवाल के सुपुत्र अंकित बाकलीवाल से 9 जुलाई, 2018 को विवाह सम्पन्न हुआ। होनहार बालक ऋषभ अपनी प्रबल ऊर्जा और निष्ठा से विद्याध्ययन में सक्रिय हो सेन्ट जेवियर स्कूल से 12 वीं कक्षा की परीक्षा देने के उपरांत सीए की तैयारी कर रहा था। 18 जुलाई, 1991 को जन्में ऋषभ 28 अप्रैल, 2009 को रोड़ एक्सीडेंट में अपने परिवार से सदा के लिए बड़ी कष्टप्रद विदाई ले गया ,जैसे कोई चमकता तारा अचानक टूट जाता है। ऐसी परिस्थिति में भी विनोद जैन कोटखावदा ने ऋषभ की आंखों का नेत्र दान कर दो नेत्रहीन व्यक्तियों को ज्योति प्रदान की। पुत्र के असमय निधन ने विनोद व उसके परिवार को को पूरी तरह तोड़ दिया। विनोद व उसकी धर्म पत्नी दीपिका अपना पूरा ध्यान समाज सेवा में लगाने लगे। उन्होंने पुत्र ऋषभ की स्मृति में सेवा कार्यों हेतु ऋषभ सेवा संस्थान की स्थापना की। शिक्षा की लगन के चलते इन्होंने बीकॉम (आनर्स) की डिग्री हासिल की। सरकारी नौकरी से जीवन का सफर 21 दिसम्बर,1983 से आरम्भ किया और शानदार कर्तव्यनिष्ठता व ईमानदारी से सेवाकाल पूर्ण कर 30 नवम्बर, 2024 को सेवानिवृत्त हो रहे है। विनोद ने 1992 में राजस्थान लोक सेवा आयोग के माध्यम से कनिष्ठ लेखाकार (जुनियर अकाउण्टेण्ट) की परीक्षा दी। परीक्षा में उत्तीर्ण हो 14 जुलाई,1995 को स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग, कोटा में कनिष्ठ लेखाकार के पद पर

कॉमर्स कॉलेज से बी कॉम (आनर्स) की डिग्री अर्जित करने से पहले ही विनोद की 21 दिसम्बर,1983 को राजस्थान सरकार के स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग,जयपुर में मंत्रालयिक संवर्ग में कनिष्ठ लिपिक के पद पर नियुक्ति हो गयी।

कार्यग्रहण किया। आरटीडीसी, राजस्थान शिक्षाकर्मी बोर्ड, कृषि विपणन विभाग, राजस्थान प्राथमिक शिक्षा परिषद (सर्व शिक्षा अभियान), साक्षरता एवं सतत शिक्षा, राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड में सेवाएं देने के उपरान्त 22 सितम्बर, 2023 से पुनः साक्षरता एवं सतत शिक्षा विभाग में सेवारत हैं, जहां से 41 वर्ष की निष्ठापूर्वक, गौरवमयी और उत्कृष्ट सेवाऐं पूर्ण होने पर सहायक लेखाधिकारी प्रथम के पद से सेवानिवृत हो रहे हैं। ये मानवीय गुणों से युक्त संवेदनशील व समाजसेवी व्यक्ति है। चिन्तक और विचारक विनोद के हृदय में अनन्य अनुराग भरा पड़ा है। विनोद कुमार जैन आज जो कुछ भी दिखाई देते हैं वह उनके भागीरथ परिश्रम और प्रयत्नों का फल है। उन्होंने अपना निर्माण स्वयं ने किया है। लीडरशिप के गुण इनमें जन्मजात थे इसलिए ये अपने साथियों के साथ देश,समाज और जाति के लिए अनेक सुधारात्मक व क्रान्तिकारी काम करने में सदैव अग्रणी रहे। विनोद जैन 'कोटखावदा' जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो जयपुर के संस्थापक अध्यक्ष,राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री,अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद् के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष, राजस्थान जैन सभा जयपुर के मंत्री, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी राजस्थान अंचल के प्रवक्ता, सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था के परामर्शक, श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नटाटा आमेर के मानद् मंत्री, ऋषभ सेवा संस्थान जयपुर के मानद् सचिव, जैन सरोवर समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सोश्यल एण्ड ब्लड एड सोसायटी जयपुर के उपाध्यक्ष,श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद जयपुर के कार्यकारिणी सदस्य, श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ जयपुर के वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य, श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कोटखावदा के सक्रिय सदस्य,श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सिरमोरियान के कार्यकारिणी सदस्य, दिगम्बर जैन महासमिति सांगानेर संभाग के सक्रिय पदाधिकारी, विश्व की सबसे बड़ी दम्पति सदस्यों की संस्था जेएसजीआईएफ मुम्बई नार्दन रीजन के सचिव (2016-17), जैन सोश्यल ग्रुप्स इंटरनेशनल फेडरेशन मुम्बई की प्रेस एण्ड मीडिया प्रमोशन कमेटी के चेयरमैन (2019-21),जेएसजीआईएफ नार्दन रीजन के मीडिया एण्ड पब्लिसिटी कमेटी के काडीर्नेटर (2019-21), दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के मीडिया प्रभारी,जयपुर से श्री महावीरजी की वर्ष 2018 में आयोजित 33वीं पदयात्रा के संयोजक,सन् 2000 में जयपुर से श्री सम्मेद शिखर जी की पद वन्दना करने वाले पदयात्री ,सन् 2003 में जयपुर से कुण्डलपुर (बड़े बाबा) की पदयात्रा के सहसंयोजक ,सन् 2006 एवं 2018 में बैंगलोर से श्रवण बेलगोला (बाहुबली) की पदयात्रा के क्रमशः सहसंयोजक एवं संयोजक, गुलाब कौशल्या चेरिटेबल ट्रस्ट के सक्रिय टीम सदस्य एवं कई सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों एवं समाज स्तरीय आन्दोलनों के नेतृत्वकर्ता एवं टीम सदस्य रहे हैं। इन्होंने निःशुल्क चिकित्सा शिविर, रक्त दान शिविर, जरुरतमंद साधर्मी बन्धुओं की मदद, बाढ़ पीड़ितों की सहायता, कोरोना काल में राशन व खाद्य सामग्री का वितरण, शिक्षा व चिकित्सा के क्षेत्र में जरुरतमंदों को कई तरह की मदद उपलब्ध करवाना, मीडिया के माध्यम से धर्म प्रभावना करना, कई तीर्थ क्षेत्रों की पदयात्रा, रेल यात्रा, बस यात्रा, हवाई यात्रा आयोजित करने में सक्रिय भूमिका निभाना, दिगम्बर जैन संतों के अनन्य भक्त होने के साथ गिरनार जी बचाओ, सम्मेद शिखर जी की रक्षार्थ, संल्लेखना आंदोलन, मौन जूलुस सहित समाज हित के कई आंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभाई है। समाज के लिए सदैव समर्पित रहने वाले विनोद को कई संगठनों, संस्थाओं, साधु संतों द्वारा जैन युवा रत्न, जैन रत्न, धर्म प्रचारक, कोरोना वारियर सहित कई उपाधियों से सम्मानित किया गया है। आँखों में चमक, चेहरे पर मुस्कान... साफ कपड़े, चमकते जूते, चाल में स्फूर्ति, आवाज में स्नेहिल खनक, मुस्कान भरा चेहरा ... यही है व्यक्तित्व ... विनोद का। विनोद जैन अपने ढंग के अनूठे इन्सान है जो अच्छे पति और पिता होने के साथ-साथ आदर्श समाज सेवक, सफल प्रशासक, चिन्तनशील, प्रतिभावान विचारक, नेतृत्व की शक्ति से परिपूर्ण मेधावी व्यक्तित्व, तार्किक विद्वान एवं अनेक विशेषताओं से अलंकृत मनीषि है। रोशनी पर रोशनी डाल कर उसे रोशन नहीं किया जा सकता। विनोद को मैं जन्म से जानता हूँ, बचपन से लेकर इस बुढ़ौती तक के साथी के बारे में कैसे और कितना लिखूं,क्या लिखूं और क्या छोड़ूं? कहाँ से शुरू करूं और कहाँ खतम करूं? मेरे हृदय में विनोद जैन के प्रति सदैव पुनीत भावनाएं जगमगाती रहे ....

-राकेश कोटखावदा

मध्यांचल कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

कर्तव्य निष्ठा के साथ अपने पद के दायित्व का निर्वहन करें: न्यायमूर्ति श्रीमती विमला जैन

तीर्थ मंदिर में दान पेटी रखकर तीर्थ क्षेत्रों की धरोहर का संरक्षण करें : जम्बूप्रसाद

रत्नेश जैन रागी बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

अहार जी। बुन्देलखण्ड के प्रसिद्ध श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र अहारजी की पावन भूमि पर भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी मध्यांचल के पदाधिकारियों का पद ग्रहण समारोह न्यायमूर्ति श्रीमती विमला जैन भोपाल (अवकाश प्राप्त न्यायाधीश, उच्च न्यायालय जबलपुर) के मुख्य आतिथ्य एवं कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जम्बूप्रसाद जैन की अध्यक्षता में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ। जिसमें न्यायायिक, प्रशासनिक, जनप्रतिनिधि, राष्ट्रीय कमेटी के पदाधिकारी विशिष्ट अतिथियों की मंच पर गरिमामयी उपस्थिति तथा मध्यांचल के अनेक जैन तीर्थ क्षेत्रों के पदाधिकारी व प्रतिनिधियों ने भाग लिया। भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी मध्यांचल के प्रचार प्रमुख राजेश जैन 'रागी' ने विज्ञप्ति में बताया कि गरिमामय समारोह के प्रथम सत्र की शुरूआत त्रिकाल चौबीसी के विशाल भव्य जिनालय में विराजमान मूलनायक भगवान शांतिनाथ , अरहनाथ व कुन्थुनाथ की विशाल भव्य प्रतिमाओं का अतिथियों द्वारा मस्तकाभिषेक, शांतिधारा एवं दीप प्रज्वलन और संगीतमय सामूहिक पूजन, तीर्थ वंदना तथा अहार जी में संचालित गुरुकुल के बच्चों द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण के साथ की गई।

पदाधिकारियों को तीर्थ हित की दिलाई शपथ

इस समारोह की मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्रीमती विमला जी जैन ने भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी मध्यांचल के पंचवर्षीय (2024-28) के लिए निर्विरोध नवनिर्वाचित अध्यक्ष तथा कार्याध्यक्ष, मनोनीत संरक्षक, सलाहकार, परामर्शदाता, महामंत्री, कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, चेयरमेन, मंत्री, प्रचार प्रमुख, प्रवक्ता सहित पचास से अधिक पदाधिकारियों को मध्यांचल अंतर्गत तीर्थ क्षेत्रों की धरोहर के हित, संरक्षण, संवर्धन, जीर्णोद्धार, सुरक्षा, विकास के लिए समर्पित रहने तथा कमेटी के संविधान व निर्देशों का पालन तथा अपने पद के दायित्वों का निर्वहन करने की शपथ दिलाई गई जिसमें नवनिर्वाचित अध्यक्ष डी. के. जैन को शपथ ग्रहण का आकर्षण अनूठा रहा जिसमें संगीत की ध्वनि पर मध्यांचल के पदाधिकारी व तीर्थ क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक मंच पर ससम्मान लें जाकर शपथग्रहण कराई। शपथ उपरांत

मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति श्रीमती विमला जैन एवं विशिष्ट अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अरविंद जी जैन सहित अतिथियों ने मध्यांचल के सभी पदाधिकारीयों को बधाई शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी मध्यांचल के सभी पावन तीर्थों का चहुंमुखी विकास करें और कर्तव्य निष्ठा के साथ अपने पद के दायित्व का निर्वहन करें, मिलजुलकर कर्मठता, निष्पक्षता, संवेदनशीलता से तीर्थों के कार्य को गति देकर पुण्यार्जन कर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करें। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मध्यांचल के पूर्व एवं नव निर्वाचित अध्यक्ष डी.के. जैन ने स्वागत एवं अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी का आत्मीय स्वागत करते हुए विभिन्न महत्वपूर्ण गतिविधियों एवं मध्यांचल के तीर्थों की वस्तु स्थिति को बताया और सभी से सहयोग की अपील की। अध्यक्षीय उद्बोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी क्षेत्रों पर दान पेटी रखने का अनुरोध किया। उन्होंने वर्तमान में सम्मेद शिखर जी, गिरनार जी सहित अनेक तीर्थ क्षेत्रों के सुप्रीम कोर्ट , हाई कोर्ट में चल रहे प्रकरणों के संबंध में जानकारी देकर सभी से आर्थिक मजबूती प्रदान करने की अपील की। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि सुरेश जैन आईएएस भोपाल, वीरेश सेठ राष्ट्रीय मंत्री , जैनेश झांझरी राष्ट्रीय अध्यक्ष उप समिति और संवर्धन , सुरेंद्र बाकलीवाल व अमित जैन जैनको अध्यक्ष नव निर्माण एवं जीर्णोद्धार कमेटी सहित अनेक अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किये।

230 छात्र छात्राओं ने रक्त दाताओं द्वारा रक्तदान कर शिविर को सफल बनाया

उदयपुर. शाबाश इंडिया। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी डिस्ट्रिक्ट ब्रांच उदयपुर के मानद सचिव सुनील गांग ने बताया कि स्वैच्छिक रक्तदान शिविर की श्रृंखला में डिस्ट्रिक्ट ब्रांच उदयपुर रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रेसिडेंट डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर अरविंद पोसवाल एवं चेयरमैन डॉ.गजेंद्र भंसाली की अगुवाई में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर छात्र कल्याण निदेशालय ''महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय'' उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में राजस्थान कृषी महाविद्यालय, उदयपुर पर आयोजित किया गया। जिसमें महाविद्यालय के कुलपति डॉ.अजीत कुमार कर्नाटक, डॉ.आर.बी.दुबे, मनोज महला, डॉ एस रमेश बाबू, डॉ. लोकेश गुप्ता, डॉ.दृष्टि सोलंकी, डॉ.बी.विजयलक्ष्मी, डॉ.आर.ए.कौशिक, डॉ. आर.एल.सोनी ने भाग लिया। महाविद्यालय के छात्र छात्राओं सहित कुल 230 रक्त दाताओं द्वारा रक्त दान किया गया। अध्यक्ष डॉ.गजेंद्र भंसाली ने बच्चो को रक्तदान पर विशेष प्रोत्साहन दिया। बल्ड राजधानी बल्ड सेंटर जयपुर एवं उनकी पूरी टीम का सहयोग रहा। इस मुहिम में महाविद्यालय के अध्यापकगण कर्मचारियों, स्टाफ एवं कई प्रतिभाशाली स्टाफ एवं युवा भी प्रेरणा स्त्रोत बने संस्था के सेवाभावी अध्यक्ष डॉ.गजेन्द्र भंसाली, संरक्षक नवल सिंह खमेसरा, शिविर संयोजक डॉ. विवेक वशिष्ठ, आजीवन सदस्य शांतिलाल नागौरी, दलपत सिंह जैन, डॉ. महेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह भंडारी, डॉ.राजश्री गांधी, प्रेमलता मेहता, चंद्रकला आर्य, संस्था स्टाफ आजाद बोर्दिया, मुरली सोनी एवं डॉक्टर्स एवं सहायक की उत्कृष्ट सेवाएं रही। महाविद्यालय से कर्मचारियों का सहयोग रहा। रक्तदाताओं को संस्था की ओर से स्मृति चिन्ह एवं रक्तदान प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिविर के आयोजन पर सहयोगियों का धन्यवाद एवं अभिनंदन कर आभार व्यक्त किया एवं बताया कि रक्तविरो के सम्मान एवं उनके द्वारा मानव सेवा में अमूल्य योगदान पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

शिविर में 40 दिव्यांगों का हुआ चयन

चयनितों को मिलेंगे निःशुल्क उपकरण

मनोज गंगवाल. शाबाश इंडिया

नावा सिटी। उपखंड मुख्यालय स्थित महेश्वरी भवन में गुरुवार को दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक विकास समिति कुचामन के सौजन्य से भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर की सहायता से दिव्यांग चयनित - उपकरण शिविर का आयोजन किया गया। अजमेर सम्भाग कोडिनेटर सुरेश मेहरा ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि चयनित दिव्यांगो को हाथो हाथ नाप लेकर निःशुल्क कृत्रिम हाथ व पैर लगाये जायेंगे। साथ ही जरूरतमंद दिव्यांगो को सुनने की मशीन, ट्राई साईकिल, व्हील चैयर आदि भी दी जायेगी। कुचामन विकास समिति अध्यक्ष ओम प्रकाश काबरा ने स्वयं शिवरो का अवलोकन कर जरूरत मंदो से हालचाल व कुशलक्षेम पूछी। शिविर के दौरान 40 दिव्यांगो का चयन किया गया। जिनको कुचामन के नर्बदा गार्डन में आगामी 21,22,23 दिसंबर को उपकरण वितरण किया जायेगा। लाभार्थियों को फोन से सूचित कर बुलाया जायेगा। इस दौरान नावां समाजसेवी मूलचंद लढा, श्रीकिशन बियानी, कुचामन विकास समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश काबरा, समिति के सचिव बनवारी लाल, रोग निदान केंद्र कुचामन के भंवर सिंह चौहान प्रभारी, महावीर विकलांग सहायता समिति के संयोजक अजमेर सुरेश महेरिया, जुगल शर्मा, पीटीआई नरेंद्र कुमार कुचामन सहित कई गणमान्य नागरिक व शिविर प्रभारी मौजूद रहे।

वेद ज्ञान

धर्म की कसौटी...

विचार, साधना और कर्म मानव जीवन के प्रमुख रूप से तीन अंग हैं। इनके फलस्वरूप मनुष्य विचारक, साधक और कर्मठ कहा जाता है। साधना और कर्म में अंतर है। जीवन के समस्त व्यापार अच्छे और खराब कर्म को कहते हैं। जब मनुष्य कर्मधारा को विशेष सद्दिशा में दृढ़ता से मोड़कर उसमें एकाग्रचित्त रहकर ध्यान जमाता है तब वहां उसका साधक स्वरूप दिखाई देता है। साधना के क्षेत्र में मन का बड़ा महत्व है। इसके चलते विचरण करते मन को स्थिर करके ही साधना में रत हुआ जाता है। एक मनुष्य में ये तीनों स्वरूप मिल सकते हैं। कोई अधिक विचारक हो सकता है तो कोई अधिक साधक अथवा अधिक कर्मठ। अधिक विचारक को दार्शनिक भी कहा जाता है। शंकराचार्य का अद्वैत विचारवाला रूप विचारक या दार्शनिक का है। गोविंद भक्ति अथवा संन्यासरत स्वरूप साधक का है। पानी में डूबते समय माता से धर्मप्रचार की आज्ञा मांगने वाला रूप कर्मी या कर्मशील पुरुष का है। विनय पत्रिका में माया तथा मानस में नाम और राम का विवेचन करने वाले तुलसीदास जी विचारक या दार्शनिक हैं। बिंदुमाधव की छवि निहारने वाले, सत्संगनिरत और एकाग्रमन से विनयपत्रिका लिखने वाले तुलसीदास साधक स्वरूप हैं। दुखों से संघर्ष करने वाले, शैवों की उपेक्षा को हंसकर टालने वाले और मित्र टोडरमल के स्वर्गधाम गमन के उपरांत उनके पुत्रों को प्रबोध प्रदान करने वाले तुलसीदास कर्मठ स्वरूप ही हैं। मनुष्य की भांति राष्ट्र, साहित्य और धर्म के भी तीन स्वरूप होते हैं। प्रत्येक संप्रदाय, मत, जाति और समाज में ये तीनों अंग दर्शन, साधना तथा व्यवहार रूप में देखे जा सकते हैं। कोई मत या धर्म दर्शन-प्रधान हो जाता है तो कोई साधना या व्यवहार प्रधान। हिंदू धर्म दर्शन-प्रधान है। इसमें साधना भी बहुत फैली, लेकिन अब न साधना है और न व्यवहार। हालांकि साधना के नाम पर लोग कभी-कभी राम स्मरण कर लेते हैं, लेकिन देखा जाए तो दूसरों के हित के समान विश्व में कोई धर्म ही नहीं है और इसी प्रकार दूसरों को पीड़ा देने के समान अधर्म या पाप नहीं है। धर्म की ऐसी कल्याणकर और संपन्न परिभाषा मुश्किल से प्राप्त होती है। धारण करने वाला गुण ही तो धर्म है। परहित से बढ़कर कौन गुण होगा जो समाज को धारण करेगा।

संपादकीय

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरूआत बहुत सुखद और स्वागतयोग्य है। बाल विवाह रोकने के तमाम कार्यों, योजनाओं और कानूनों के बावजूद अगर कामयाबी नहीं मिल पा रही है, तो जाहिर है, एक विशेष अभियान छेड़कर केंद्र सरकार ने सराहनीय कदम उठाया है। इसमें कोई शक नहीं कि ''बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ'' का नारा और इसके लिए किए गए प्रयास बहुत हद तक सफल रहे हैं, पर यह बड़े अफसोस की बात है

कि आज भी देश में हर पांच में से एक लड़की की शादी 18 साल से कम उम्र में हो जाती है। किसी शहर में अगर एक विवाह सत्र में 1,000 शादियां होती हैं, तो उनमें से 200 शादियों में दुल्हन की उम्र शादी लायक वैध नहीं होती। बाल विवाह की यह बड़ी संख्या है, जिसकी चिंता करके केंद्र सरकार ने जरूरी सामाजिक सुधार की दिशा में एक कदम बढ़ाया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बुधवार को यह भी बताया कि पिछले एक साल में लगभग दो लाख बाल विवाह रोके गए हैं। मतलब, सामाजिक संस्थाएं और पुलिस काम तो कर रही है, पर मंजिल अभी दूर है। यह सुखद बात है कि बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के लिए उन्होंने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से 2029 तक बाल विवाह की दर को पांच प्रतिशत से नीचे लाने के मकसद से विशेष कार्य योजना बनाने का आग्रह किया है। सनद रहे, बाल विवाह की सर्वाधिक संख्या पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, राजस्थान, त्रिपुरा, असम और आंध्र प्रदेश में है। देश में 300 ऐसे जिले जहां बाल विवाह की दर राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। ऐसा लग रहा है, लोग बेटियों का जीवन तो बचा रहे हैं, प्राथमिक शिक्षा भी देने लगे हैं, पर उन्हें अधिक पढ़ाने और आगे बढ़ाने पर उनका ध्यान नहीं है। बेटियों की जब कम उम्र में शादी होती है, तो श्रम बल के रूप में न केवल उनकी उत्पादकता, बल्कि देश की क्षमता पर भी असर पड़ता है। पढ़ी-लिखी लड़की अगर समय से ब्याही जाए, तो वह परिवार और समाज के लिए उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है। कम उम्र में विवाह से न केवल संतानों की गुणवत्ता, बल्कि परिवार की आर्थिक-सामाजिक और मनोवैज्ञानिक क्षमता पर भी असर पड़ता है। केंद्रीय मंत्री ने उचित ही कहा है कि बाल विवाह मानवाधिकारों का उल्लंघन और कानून के तहत अपराध है। अच्छी बात है, सरकार ने अब एक तरह से मान लिया है कि कानून को जितना काम करना था, उसने किया, इसके आगे अब विशेष अभियान की जरूरत है। बाल विवाह रोकने के लिए अकेले कानून के भरोसे न बैठते हुए ठोस प्रबंध करने पड़ेंगे। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है कि बाल विवाह दर में सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक गिरावट दक्षिण एशियाई देशों में देखी गई है, जिसमें भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नए अभियान के तहत बाल विवाह रोकने के लिए बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल का भी शुभारंभ किया गया है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

बांग्लादेश की गलत राह

यह अच्छा हुआ कि भारत ने पिछले दिनों ढाका में गिरफ्तार किए गए हिंदू समुदाय के नेता और इस्कान के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास की एक मनगढ़ंत आरोप में गिरफ्तारी पर बांग्लादेश के समक्ष अपनी आपत्ति और चिंता व्यक्त की, लेकिन इसमें संदेह है कि इतने मात्र से उसकी सेहत पर कोई असर पड़ेगा। इसके आसार इसलिए नहीं, क्योंकि भारत की चिंता के जवाब में बांग्लादेश ने चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी को अपना आंतरिक मामला बता दिया। बांग्लादेश को इसकी इजाजत नहीं दी जानी चाहिए कि वह हिंदुओं के उत्पीड़न से आंखें मूंदे रहे और यदि उसके रवैये पर सवाल उठें तो वह उसे अपना आंतरिक मामला बता दे। अल्पसंख्यकों का सिलसिलेवार उत्पीड़न किसी देश का आंतरिक मामला नहीं हो सकता। यह किसी से छिपा नहीं कि बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद से किस तरह हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक कट्टरपंथियों के निशाने पर हैं। उन्हें केवल आतंकित ही नहीं किया जा रहा है, बल्कि उनके धार्मिक स्थलों, व्यावसायिक ठिकानों पर इस इरादे से हमले किए जा रहे हैं कि वे अपना घर-बार छोड़कर भाग जाएं। इससे भी गंभीर बात यह है कि हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने वालों पर कहीं कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। उलटे उन कट्टरपंथियों और जिहादी तत्वों को पोषित किया जा रहा है, जो हिंदुओं को आतंकित कर रहे हैं। यह एक तथ्य है कि नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने तमाम कट्टरपंथियों और यहां तक कि जिहादियों को भी जेल से रिहा किया है। उन्होंने ऐसे कई अतिवादी संगठनों को भी राहत दी है, जिन पर शेख हसीना सरकार ने प्रतिबंध लगा रखा था। सबसे खतरनाक बात यह है कि अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार कहे जाने वाले मोहम्मद यूनुस हिंदुओं पर अनगिनत हमलों को बांग्लादेश के खिलाफ आधारहीन दुष्प्रचार करार दे रहे हैं। यह तब है, जब कई देशों के नेता हिंदुओं पर हमले को लेकर चिंता व्यक्त कर चुके हैं। इनमें डोनाल्ड ट्रंप भी हैं। मोहम्मद यूनुस न तो जल्द चुनाव कराने में कोई दिलचस्पी दिखा रहे हैं और न यह स्पष्ट कर पा रहे हैं कि वह किसकी सरकार के मुख्य सलाहकार हैं? यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि बांग्लादेशी सेना उनका इस्तेमाल अपने मुखौटे की तरह कर रही है और वह भी उसकी कठपुतली बनने को तैयार हैं। बांग्लादेश अपने बचे-खुचे सेक्युलर स्वरूप को नकार कर जिस तरह पाकिस्तान की तरह कट्टर इस्लामी देश बनता जा रहा है, वह भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय बनना चाहिए। वहां इस्लामी कट्टरता बढ़ने का मतलब है हिंदुओं के उत्पीड़न का सिलसिला तेज होना और उनके पलायन की नौबत आना। सच तो यह है कि तमाम बांग्लादेशी हिंदू भारत आने को तैयार हैं। ऐसा इसीलिए है, क्योंकि वहां के हालात उनके प्रतिकूल होते जा रहे हैं। ऐसे में भारत को बांग्लादेश पर दबाव बनाने के लिए सक्रिय होना चाहिए।

राजस्थान जैन सभा
अहिंसा
स्थापित 1953
VOTE
VOTE
राजस्थान जैन सभा
कार्यकारिणी सदस्य चुनाव-2024
8 रविवार
दिसम्बर 2024
महावीर स्कूल प्रांगण
सी-स्कीम, जयपुर
राकेश गोदिका
संपादक-शाबाश इण्डिया
(94140 78380)
को अपना मत एवं समर्थन देकर विजयी बनाये.....

शैक्षणिक भ्रमण में विद्यार्थियों की सीखने में रुचि दिखाई दी

जोधपुर. शाबाश इंडिया

शिक्षा विभाग एवं भारती एयरटेल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय निम्बो का गाँव के विद्यार्थियों को एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण जिसमें माचिया सफारी पार्क, उप क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र जोधपुर, मेहरांगढ फोर्ट एवं मंडोर पार्क ले जाया गया जिसमें करीब

117 विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, सभी विद्यार्थियों बहुत उत्साहित नजर आए तथा सीखने के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता दिखाई दी। प्रभारी पुनीत भटनागर ने बताया कि उप क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र एवं तारामंडल का वीडियो प्रदर्शन विद्यार्थियों को काफी अच्छा लगा शैक्षणिक भ्रमण के रुझान यह बता रहे हैं कि आज विद्यार्थियों ने जो अपनी आंखों से जो प्रत्यक्ष देखा वह उनकी स्मृति में काफी लंबे समय तक बना रहेगा और आज सीखे हुए ज्ञान को वह काफी लंबे समय तक अपने विद्यालय के छोटी कक्षाओं के विद्यार्थियों के साथ साझा कर सकेंगे। विद्यार्थियों के शैक्षणिक भ्रमण में प्रधानाचार्य एवं पी.ई.ई.ओ. पन्नालाल चौहान, अलका कौशिक, मदनलाल शर्मा, घन श्याम सिंह भाटी, हनुमान सेंन, महेंद्र सिंह रावल, राकेश पुरी, कैलाश कुमार एवं श्रीमती कमला मीना भी साथ में थे और काफी रुचि से विद्यार्थियों को इन सभी स्थानों के बारे में रूबरू करवाया।

मुनि श्री 108 प्रणम्य सागर जी महाराज ससंध का सिद्धार्थनगर जयपुर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महावीर स्वामी खंडाकांन समिति सिद्धार्थनगर जयपुर में मुनि श्री 108 प्रणम्य सागर जी महाराज ससंध का आज भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मुनि श्री की अगवानी करने के लिए पूरा जैन समाज उमड पड़ा, बैंड बाजे के साथ महिलाएं सर पर कलश रख करके गुरुदेव की अगवानी करी। गुरुदेव ने आगामी पंचकल्याण हेतु स्वीकृति प्रदान करते हुए समाज के सिद्धार्थनगर समाज से हर घर से पंचकल्याण में जुड़ने का आवाहन किया और पंच कल्याण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में शारीक होना ही आपका धर्म के प्रति आस्था का प्रतीक है मंच संचालन करते हुए महामंत्री आशीष जैन छाबड़ा ने गुरुदेव को श्रीफल चढ़ाते हुए आशीर्वचन देने का निवेदन किया श्रीमान पारस जैन आगरा वाले अध्यक्ष ने आज के पाद प्रक्षालन करने वाले पवन जी,रोमी जी गोधा परिवार का तिलक लगाकर स्वागत किया श्रीमान राजेश जैन लालसोट एवं कौशल पाटनी ने जुलूस का नेतृत्व किया प्रचार प्रसार संयोजक पवन जी तेरापंथी ने जानकारी दी सिद्धार्थनगर में 30 जनवरी 2025 से 4 फरवरी 2025 तक भव्य पंचकल्याण होना है। दीप प्रज्वलन महिला मंडल अध्यक्ष विद्युत लुहाडिया एवं महामंत्री प्रीति लुहाडिया द्वारा किया गया।

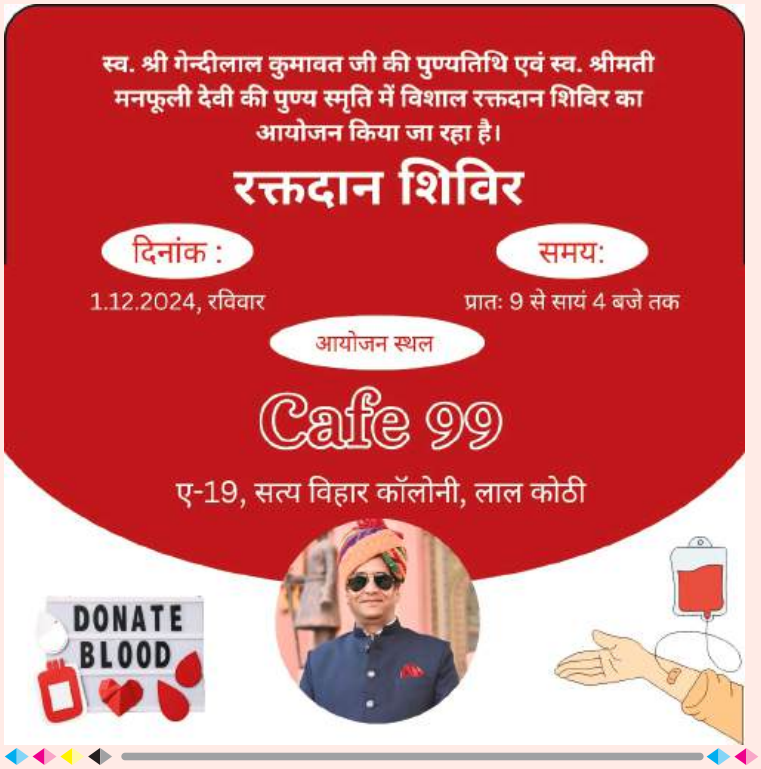

जैन मुनि अनुशासन सागर महाराज का निवाई में गाजे-बाजे से मंगल प्रवेश

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। आचार्य अभिनंदन सागर महाराज के शिष्य जैन मुनि अनुशासन सागर महाराज का गुरुवार को सुबह गाजे बाजे से मंगल प्रवेश हुआ। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला ने बताया कि जैन मुनि अनुशासन सागर महाराज बुधवार को चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मेहंदवास से मंगल विहार कर टोंक होते हुए गांव सोहेला पहुंचे जहां बाबूलाल पप्पूलाल राजेश कुमार पवन जैन सोनू जैन ने पादप्रक्षालन एवं आरती करके अगुवानी की। जौंला ने बताया कि जैन मुनि सोहेला से विहार कर बरुणी होते हुए निवाई पहुंचे जहां विष्णु बोहरा सुनील भाणजा नवरत्न टोंग्या अक्षांश जैन अशोक चंवरिया राकेश संधी अजीत काला त्रिलोक रजवास अतुल ठोलिया मनोज पाटनी राजेश जौंला नेमीचंद जैन राजेश जैन एवं अनिल भाणजा ने जयघोष के साथ अगुवानी की। मीडिया प्रभारी विमल जौंला ने बताया कि जैन मुनि अनुशासन सागर महाराज गाजे बाजे के साथ बंपुई वाले की धर्मशाला से विहार कर अहिंसा सर्किल भगवान महावीर मार्ग होते हुए श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर पहुंचे जहां जैन मुनि ने भगवान शांतिनाथ जी के दर्शन किए। जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा ने बताया कि जैन मुनि अनुशासन सागर महाराज का निवाई से हस्तिनापुर के लिए विहार चल रहा है।

फागी कस्बे में मुनि 108 श्री महिमा सागर जी महाराज ससंघ का हुआ मंगल प्रवेश

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे में आचार्य वरदत्त सागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य मुनि महिमा सागर महाराज, मुनि दिव्य सेन महाराज, मुनि परम सागर महाराज तथा आर्यिका सुग्रीवमति माताजी, आर्यिका सुभद्रा मति माताजी, तथा क्षुल्लिका सम्मेद श्री माताजी सहित छह पिच्छिका धारी दिगम्बर जैन संतों का भव्य मंगल प्रवेश हुआ कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए कहा कि उक्त संघ बाडा पदमपुरा में चातुर्मास सम्पन्न करके विभिन्न कस्बों एवं गांवों में होता हुआ आज फागी कस्बे की सीमा पर पहुंचा जहां पर फागी सकल जैन ने अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा एवं मंत्री कमलेश चोधरी की अगुवाई में बैन्ड बाजों के द्वारा जयकारों के साथ संघ की भव्य आगवानी की कार्यक्रम चंद्रपुरी दिगम्बर जैन मंदिर के अध्यक्ष सत्येन्द्र झंडा ने बताया कि संघ ने चंद्रपुरी दिगम्बर जैन मंदिर में दर्शन करने के बाद नगर भ्रमण करते हुए जयकारों के साथ कस्बे में मंगल प्रवेश किया, कार्यक्रम में जगह जगह समाज ने अपने-अपने आवासों पर रंगोलियां बना रखी थी जहां पर संघ का जगह -जगह पाद प्रक्षालन कर आरती की गई। कार्यक्रम में अनिल जैन कठमाना ने अवगत कराया कि उक्त संघ आदिनाथ जिनालय,बीचला मंदिर, मुनि सुव्रतनाथ मंदिर के दर्शन करते हुए पार्श्वनाथ चैत्यालय पर पहुंचा जहां पर सारे सकल जैन समाज की महिलाओं ने संघ की मंगल कलशों के द्वारा भव्य आगवानी की तथा आरती करने के बाद संघ को संत भवन में ठहराया, कार्यक्रम में संघस्थ ब्रह्मचारिणी शैला दीदी के द्वारा ज्ञात हुआ कि मुनि महिमा सागर जी महाराज आठ वर्ष से एक दिन उपवास एक दिन आहार करते आ रहे हैं यह उनकी तपस्या का फल है।

सराकोध्दारक आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज का पंचम समाधि दिवस कार्यक्रम संपन्न

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

लखनपुर (पश्चिम बंगाल)। सराक बन्धुओं के बीच सराकोध्दारक, सराको के मसीहा, आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज की विनयांजलि सभा पंचम समाधि दिवस पश्चिम बंगाल बांकुड़ा जिले के लखनपुर मैं संघस्थ ब्रह्म मंजुला दीदी जी के सान्निध्य एवं श्री ज्ञानसागर भक्त परिवार की सहयोग से भारतवर्षीय दिगम्बर जैन सराक ट्रस्ट एवं प्राच्य श्रावक श्रमण केन्द्रीय समिति के तत्वावधान आयोजित किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में सराक,जैन श्रद्धालु झारखंड, उड़ीसा,पं. बंगाल से शामिल हुए कार्यक्रम में दीदी जी के निर्देशन से जनसैलाब के साथ गुरुदेव की झांकियां सहित नगर में जुलूस शोभा यात्रा,चित्र अनावरण,दीप प्रज्वलन,चरण पादुका प्रक्षालन,पूजन, आरती सामूहिक रुप से करने के पश्चात निबंध प्रतियोगिता प्रतिभागियों को वाचन,एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा गुणानुवाद कराया गया,साध ही भावपूर्ण विनयांजलि गूरुदेव को समर्पित किया गया। गुरु ज्ञानसागर जी महाराज एवं सराक बन्धु विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय तृतीय चतुर्थ पंचम स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को पुरस्कृत सम्मान राशि देकर किया गया। बालिकाओं ने मंगलाचरण, भक्ति संगीत एवं गुरू स्मरण भजन से नृत्य प्रदर्शन प्रस्तुत की। अपने पूज्य गुरुदेव के स्मरण में उपस्थित सराक जैन महिला पुरुष, बाल- गोपाल सभी नयनों में अश्रुपूरित जलधाराएं गुरुदेव के चरणों में झलक रही थी,15 से 20 मिनट जनसैलाब में मातम छा गया। कार्यक्रम संचालन में श्री नितिन शास्त्री, सुरेन्द्र जी शास्त्री,सागर का सहयोग सराहनीय रहा,संयोजन में सराक जैनट्रस्ट के प्रतिनिधि श्री विनोद जी जैन पुरुलिया,प्राच्य श्रावक श्रमण केन्द्रीय समिति के पदाधिकारी, सदस्य, श्री रमेशचन्द्र मांझी, रविन्द्र नाथ मांझी, किरीटीभूषण। मांझी, सृष्टि धर मांझी, गौरांग मांझी,आशीष मांझी रांची, श्री पुटुक माजी,असित लायेक, रामदुलाल मंडल, पुरुलिया, श्री गयाराम माजी, संजय माजी,लखन माजी, सुदांसु माजी के साथ स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

गुरुमां विज्ञाश्री माताजी ससंघ का 15 दिसंबर को होगा भव्य पिच्छिका परिवर्तन

गुन्सी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी जिला टोंक राजस्थान की पावन धरा पर विराजमान परम पूज्य भारत गौरव गणिनी आर्यिका गुरुमां विज्ञाश्री माताजी ससंघ का आगामी 15 दिसंबर को भव्य पिच्छिका परिवर्तन का आयोजन संपन्न होने जा रहा है। आज चौमूंबाग,मालवीय नगर जयपुर, कोटा,आगरा,कलकत्ता,फागी से पधारे हुए भक्तों ने आर्यिका संघ की आहारचर्या कराने का सौभाग्य प्राप्त किया। शिशिर जैन सपरिवार ने पूज्य गुरुमां के कर कमलों से मंगल कलश प्राप्त किया। गुरुभक्त राजकुमार जी ट्रांसपोर्ट वाले कोटा ने पूज्य गुरुमां का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। माताजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहां कि जीवन रूपी सिक्के में सुख और दुख रूपी दो पहलू है। जब सुख दिखता है तब दुख दबा रहता है और जब दुख के दिन आते हैं तब सुख छुप जाता है। सुख में दुख छुपा है और दुख में सुख,अतः सुख और दुख की परिस्थिति में समता रखना ही श्रेयस्कर है। सहस्त्रकूट जिनालय का निर्माण कार्य बड़े जोरों शोरों से चल रहा है।

गाला म्यूजिकल ईवनिंग एंड मेगा हेल्थ टॉक शो 30 को

मुंबई के कलाकार देंगे प्रस्तुति

जयपुर. शाबाश इंडिया

अंतर राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन, जिला जयपुर और जीवन रेखा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल संयुक्त रूप से रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के साथ 30 नवंबर शनिवार को शाम 6 बजे से बिड़ला ऑडिटोरियम स्टैच्यू सर्कल जयपुर में गाला म्यूजिकल इवनिंग और मेगा हेल्थ टॉक शो का आयोजन कर रहे हैं। संरक्षक एवं अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा ने बताया कि इसमें मुंबई के कलाकार और म्यूजिकल बैंड प्रस्तुति देंगे। यदि आप संगीत प्रेमी हैं, तो यह एक भव्य संगीतमय उपहार होगा। उन्होंने बताया कि केवल आमंत्रण पास से 2 लोगों के लिए प्रवेश होगा। पास 28 नवंबर से पहले सुभाष मार्ग, सी स्कीम स्थित कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। कार्यक्रम संयोजक सी ए संजय पाबूवाल ने बताया कि कार्यक्रम में अग्रवाल समाज सेवा समिति, जयपुर, श्री खंडेलवाल वैश्य समाज जयपुरए सकल जैन समाज, जयपुर श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर विजयवर्गीय समाज, जयपुर सर्व ब्राह्मण महासभा, जयपुर, जयपुर व्यापार महासंघ, माथुर समाज, जयपुर, जयपुर ज्वैलर्स एसोसिएशन, लायंस क्लब जयपुर डायमंड द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया जा रहा है। सह संयोजक रोटरी सिटीजन के अध्यक्ष दिनेश बज व अनुराग दीक्षित ने बताया कि कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राजस्थान वैश्य फेडरेशन के अध्यक्ष एन के गुप्ता व महा सचिव गोपाल गुप्ता व सम्मानित अतिथि चन्द्र प्रकाश अग्रवाल भाड़ेवाला, रमेश गुप्ता तुंगावाला, सुधांशु कासलीवाल, केदार भाला, नवल विजयवर्गीय पंडित सुरेश मिश्रा, सुभाष गोयल सेवानिवृत्त मेजर जनरल अनुज माथुर, राजू मंगोड़ीवाला, लायन अजय डोगरा, संजय सिंह बैद, फोर्टी अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, सीए संजय पाबूवाल, कार्यक्रम संयोजक/जनरल सचिव अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जिला जयपुर, रूपेश माथुर कार्यक्रम अध्यक्ष/सीईओ, जीवन रेखा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल इत्यादि होंगे। सीटें पहले आओ पहले पाओ के आधार पर उपलब्ध होगी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

सुधा सागरजी महाराज की देन है त्रिकाल चौबीस तीर्थ : मुनि श्री अरहसागर जी महाराज

सुभाष गंज मन्दिर में हो रही है प्रतिदिन धर्म सभा, भव्य रूप से मनाया जायेगी त्रिकाल चौबीस की वर्षगांठः विजय धुर्रा

अशोक नगर। आचार्य भगवंत ने भारतीय संस्कृति और सभ्यता को आगे बढ़ाने के लिए बहुत कुछ किया उनके एक से एक साधक शिष्य हैं पूज्य निर्यापक श्रमणमुनि पुंगवश्री सुधासागर जी महाराज है उनकी कठिन साधना को आपने देखा होगा उन्होंने इस नगर को ऐसी चीज जी जो दुनिया भर से भक्त यहां आते हैं ऐसी विशाल सोच थी जो वर्षों पहले इन नगर में त्रिकाल चौबीस की स्थापना कराए ऐसे ही सभी शिष्यों ने उनके मुंह से कुछ भी निकल जायें तो उसे भी होना पड़ता है उक्त आश्य केउद्गार सुभाष गंज में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

सप्त गजरथमहोत्सव की वर्ष गांठ पर होगा भव्य आयोजन: विजय धुर्रा

इसके पहले धर्म सभा का संचालन करते हुए मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि १९९२मे अशोक नगर ऐतिहासिक त्रिकाल चौबीस पंच कल्याणक एवं सप्तगजरथ महोत्सव की तैंतीस वी वर्षगांठ हम सब मुनि संघ के सान्निध्य में मनाने जा रहे हैं और दो दो संघों का आगमन होने जा रहा हैजिसकीसूचना आपको सीघ आप तक पहुंच जायेगी पंचायत कमेटी के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद के नेतृत्व में सभी कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया जा रहा है और हम भव्यता पूर्वक समारोह को सम्पन्न करेंगे इस दौरान मुनिश्री को कमेटी के कोषाध्यक्ष सुनील अखाई संयोजक उमेश सिघई निर्मल मिर्ची राजेश कासल नीरज पाठ ने शास्त्र भेंट किये।

संसार का प्रत्येक पाड़ी कर्म के अनुसार दुःख सुख को प्राप्त करता है

उन्होंने कहा कि संसार का प्रत्येक पाड़ी कर्म के अनुसार दुःख सुख को प्राप्त करता रहता है जैसे जैसे हमने कर्मो को हमने वाधा है वैसे ही इन कर्मों से मुक्त हो सकते हैं जो कर्म तुमने बांधे उन्हें सिर्फ तुम्ही छोड़ सकते हो तुम्हारे बांधे हुए कर्म को कोई और नहीं छुड़ा सकता जिन प्रभु की तुम आराधना कर रहे हो वे भी तुम्हारे लिए नहीं बचा सकते कर्म तो हम हंसते हंसते हुए बांधे थे लेकिन जव उनका उदय आता है तो हम रोते बिलखते है लेकिन कोई बचाने वाला नहीं मिलता यदि तुम उसे समता पूर्वक सहन कर लोगे तो कम से कम नये कर्म का बंध नहीं होगा।

कठोर तपस्या करने की राह दिखाई आचार्य श्री ने

प्रतिकुलता में अनुकूलता की कला सीख ली तो आप अपने जीवन को अच्छा बनाने की ओर एक कदम चल सकते हैं गुरु देव ने उसे ही अपनाया और हमें राह दिखाई किस तरह से कर्मो की निर्जरा कर सकते हैं इसको आचार्य भगवंत के साथ रहकर अपनी आंखो से देखा है आचार्य श्री अमर कंटक तीर्थ में विराजमान थे उस समय उन्हें हरपीस हो गई हरपीस में बहुत पीड़ा होती थी उसमें हवा और लगें पीड़ा बड़ जाती थी गुरुदेव बाहर देहलान में विराम करते सभी ने कहा कि हवा से तकलीफ ज्यादा होती है आप अन्दर विराजमान हो तो गुरु देव कहते हैं कि यदि हम अन्दर रहेंगे तो इनको और अधिक सुविधा की चाह हो जायेगी ऐसे कठोर तपस्या किया करते थे आचार्य भगवंत गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज उनके जीवन में ऐसे सैंकड़ों प्रसंग भरे पड़े हैं।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा राजस्थान में बने पदाधिकारी

जोधपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष चित्राश कुलदीप माथुर जी की अनुशंसा पर प्रदेश महामंत्री धर्मेंद्र जौहरी जी ने चित्राश संदीप माथुर जी प्रदेश सचिव, साहित्यकार अनिल माथुर जी जोधपुर संभागीय महामंत्री, एवं चित्राश जितेंद्र माथुर 'बॉक्सर' जी को जिलाध्यक्ष जोधपुर नियुक्त किया गया है। महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनिल माथुर कोलरी, प्रदेश संगठन महामंत्री दीप प्रकाश माथुर जी, प्रदेश महिला अध्यक्ष दीपा माथुर जी, प्रदेश युवा अध्यक्ष डॉ.ऋषि माथुर जी, प्रदेश महिला महामंत्री सीमा माथुर जी, जोधपुर संभागीय अध्यक्ष राजेंद्र माथुर (राजन) जी, प्रदेश युवा महामंत्री मयूर सक्सेना एवं समस्त कार्यकारिणी की ओर से आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

नो फिकर फाउंडेशन ने युवा कवि राजकुमार जायसवाल व कथावाचक पं. धीरेन्द्र शास्त्री को किया सम्मानित

सिंगरौली. शाबाश इंडिया। नो फिकर संस्था द्वारा 26 नवंबर संविधान दिवस तथा गौर जयंती के उपलक्ष्य में मध्य प्रदेश के नागरिकों द्वारा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक कार्य करने वालों को डिजिटल सम्मान प्रदान किया गया। जिस हेतु नो फिकर संस्था द्वारा सिंगरौली के युवा कवि राजकुमार जायसवाल 'विचारक्रांति' व बागेश्वर धाम कथावाचक पंडित धीरेन्द्र शास्त्री का नाम चयनित होने पर सम्मानित किया गया। गौरतलबल है कि राजकुमार जायसवाल विचारक्रांति, सिंगरौली मध्यप्रदेश के निवासी हैं,जो शिक्षा, साहित्य, योग, समाजसेवा, नारी जागरण, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, रक्तदान, ग्रामीण सेवा व जागरूकता आदि क्षेत्रों में समाज व राष्ट्र हित में कार्य कर रहे हैं। इसके पूर्व भी राजकुमार जायसवाल विचारक्रांति को हजारों पुरुस्कारों/सम्मानों व उपाधियों से सम्मानित किया जा चुका है। नो फिकर संस्था टीम व सिंगरौली संवाददाता आशीष सोनी ने राजकुमार जायसवाल विचारक्रांति को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि- 'राजकुमार जायसवाल विचारक्रांति द्वारा कविता लेखनी एवं योग प्रशिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया गया है, जो बहुत ही सराहनीय है।संस्था आशा करती है कि भविष्य में भी आप इसी तरह कविता लेखनी एवं योग शिक्षण प्रशिक्षण के क्षेत्र में कुशल कार्यों से नए कीर्तिमान स्थापित कर मध्यप्रदेश का नाम रोशन करेंगे।' वहीं नो फिकर संस्था द्वारा यह सम्मान बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री को भी कथावाचन के माध्यम से समाज को सनातन के प्रति जागरूक करने तथा जातिवाद खत्म करने के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदान किया गया। संस्था द्वारा प्रदान किए इस सम्मान के प्रति राजकुमार जायसवाल विचारक्रांति ने नो फिकर संस्था व सिंगरौली संवाददाता आशीष सोनी का आभार जताया और कहा कि जीवन में सकारात्मक व अच्छे कार्य करने पर यह सम्मान हमें अपने कार्यों में और अधिक गति प्रदान करेगा। इस सम्मान के लिए सिंगरौली के युवा कवि राजकुमार जायसवाल विचारक्रांति व बागेश्वर धाम सरकार कथावाचक पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री को मध्यप्रदेश वासियों ने अपार बधाई व प्यार प्रेषित की है।

डॉ दुष्यंत ने बताए प्रतियोगी परीक्षा के गुर

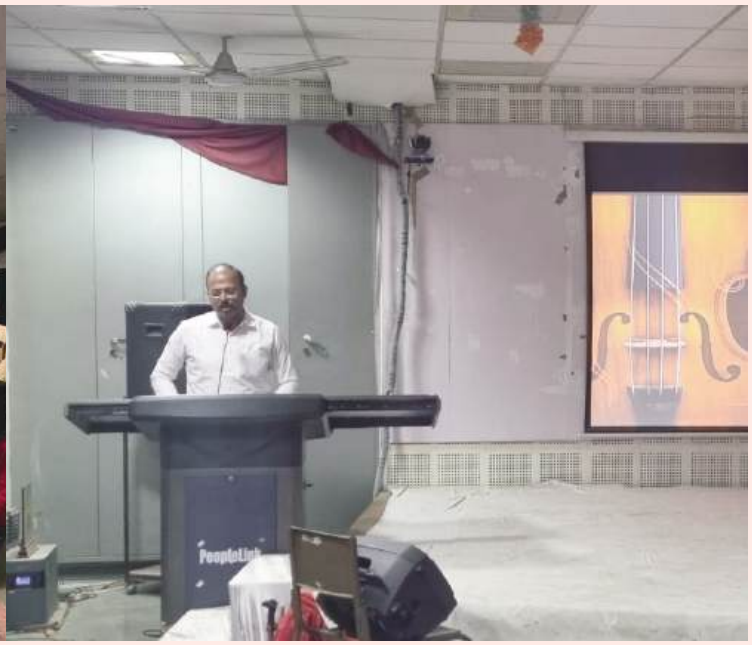

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान संगीत संस्थान में एस डी गवर्नमेंट कॉलेज में संगीत के विभागाध्यक्ष डॉ दुष्यंत त्रिपाठी द्वारा ''संगीत विषय में प्रतियोगिता परीक्षा'' जैसे महत्वपूर्ण विषय पर प्रेरणादायक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया संस्थान के प्राचार्य प्रो. दिलीप गोयल ने बताया कि संस्थान में चल रही संवाद श्रंखला के अंतर्गत डॉ त्रिपाठी ने व्याख्यान के दौरान संगीत विषय के प्रायोगिक एवं शास्त्र ,दोनों पक्षों में संतुलन बनाने का निर्देश देते हुए श्रुति, स्वर, थाट, राग, श्रुति स्वर व्यवस्था, संगीत ग्रंथों से संबंधित दुर्लभ तथ्यों को बताते हुए वैदिक कालीन आर्चिक,गाथिक,सामिक गान को मंत्रोच्चारण के माध्यम से स्पष्ट करते हुए ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान की। 'संगीत में रोजगार 'विषय से संबंधित कई मिथको को गलत बताते हुए विद्यार्थियों को नवीन दिशा में चलने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संस्थान केवसभी संकाय सदस्य मौजूद रहे।

राजस्थान विश्वविद्यालय एथलेटिक्स अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता का शुभारंभ, विवि को गौरवान्वित कर रहा स्पोर्ट्स बोर्ड नवाचार

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान विश्वविद्यालय के खेल बोर्ड द्वारा विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय तीन दिवसीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। जिसमें लगभग 100 महाविद्यालयों के 1100 से अधिक पुरूष व महिला प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सचिव खेल बोर्ड डॉ.प्रीति शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि राजस्थान विश्वविद्यालय के सिंडिकेट सदस्य, राजस्थान विश्वविद्यालय खेल बोर्ड अध्यक्ष कुलदीप धनखड़ ने ध्वजारोहण कर किया. खिलाड़ियों को निस्पक्ष चयन का आश्वासन दिया साथ ही कहा कि राजस्थान विश्वविद्यालय खेल बोर्ड को मूलभूत सुविधाओ की बेहतरी के लिए राजस्थान सरकार के साथ मिल कर हर संभव प्रयास करेगें। विशिष्ट अतिथि ओलम्पियन एवं अर्जुन पदक गोपाल सैनी खिलाडियों को मेहनत, लगन और जुनून ही सफलता ऊंचाईयों तक पहुंचा सकती है.स्पोर्ट्स बोर्ड की प्रशंसा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता व कुलगुरू प्रो.अल्पना कटेजा ने खिलाडियों को शुभकामनाएं दी। डीन व सिंडीकेट सदस्य प्रो. जयन्त सिंह ने होसला अफजाई किया.चीफ प्रॉक्टर व सिंडीकेट सदस्य प्रो आर.एन. शर्मा ने अनुशासन में रहकर खेलने को प्रेरित किया। अखिल भारतीय विश्वविद्यालय कॉस-कट्री प्रतियोगिता 2024-25 में विवि टीम द्वारा रजत पद प्राप्त करने पर खिलाड़ियों को सम्मानित किया। आयोजन सचिव सुरेन्द मीणा ने बताया प्रतियोगिता में 20 कि.मी. चाल, शॉटपुट, लम्बी कूद, भाला फेंक, 5000 मीटर फाइनल व 100 मी., 200 मी., 400 मी. व 800 मी. के रोमी फाइनल आयोजित हुआ. डॉ. शैलेश मौर्य ने सभी को धन्यवाद दिया।

छ सौ वर्ष प्राचीन सावरदा जैन मन्दिर के जीर्णोद्धार के लिए तीर्थ संरक्षिणी महासभा का सहयोग

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री अखिल भारत वर्षीय दिगम्बर जैन (तीर्थ संरक्षिणी) महासभा द्वारा जयपुर ज़िले में अजमेर रोड पर सावरदा ग्राम स्थित करीब छः सौ वर्ष प्राचीन दिगंबर जैन मंदिर के जीर्णोद्धार में सहयोग के लिए दो लाख रुपए राशि का चेक प्रदान किया गया। तीर्थ संरक्षिणी महासभा के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष धर्म चन्द पहाड़िया द्वारा चेक सावरदा मन्दिर के प्रतिनिधि प्रदीप जैन बडजात्या व अनीता बिंदायक्या को जनकपुरी जैन मन्दिर में दिया गया तथा बताया गया कि राजस्थान में मूल नायक तीर्थंकर श्री १००८ धर्म नाथ भगवान का केवल यही एक मंदिर है तथा पहले भी इस मन्दिर को सहयोग किया गया है ।इस शुभ अवसर पर जनकपुरी जैन समाज के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला , सोभाग अजमेरा , मिश्री लाल काला,सुनीता भोंच, नीरज जैन आदि की उपस्थिति रही ।

णमोकार जाप्यानुष्ठान और भक्तामर स्रोत के साथ वेदी शिलान्यास समारोह प्रारंभ

शुक्रवार को आचार्य शंशाक सागर के सानिध्य में होगी वेदी भूमि का शिलान्यास, पुण्यार्जक करेंगे स्वर्ण, रजत और ताम्र शिलाओं की स्थापना

जयपुर. शाबाश इंडिया

धर्म नगरी गुलाबी शहर जो छोटी काशी के नाम से विश्व विख्यात है के मानसरोवर, न्यू सांगानेर रोड़ स्थित इंजीनियर्स कॉलोनी के नवनिर्मित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में गुरुवार से रात्रि 8 बजे से दो दिवसीय नवीन वेदी भूमि शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन बाल ब्रह्मचारी धर्मचंद शास्त्री और जिनेश भैया के निर्देशन में ₹ णमोकार महामंत्र जाप्यानुष्ठान और भक्तामर स्रोत पाठ ₹ के साथ प्रारंभ हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओ ने श्रद्धा - भक्ति और जयकारों के साथ भक्तामर स्रोत का गुणगान कर दीप अर्घ चढ़ाएं और श्रीजी की मंगल आरती की। शुक्रवार को दूसरे दिन आचार्य शंशाक सागर महाराज ससंघ सानिध्य में वेदी भूमि का शिलान्यास कार्यक्रम प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होगा। अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने कहा कि शुक्रवार को वेदी भूमि शिलान्यास कार्यक्रम में अपना सानिध्य एवं आशीर्वाद प्रदान करने के लिए प्रातः 10.15 बजे आचार्य शंशाक सागर महाराज ससंघ स्वर्ण पथ, न्यू सांगानेर रोड़, स्वर्ण गार्डन होते हुए इंजीनियर्स कॉलोनी के जैन मंदिर में बेड - बाजों और जयकारों के साथ प्रवेश करेंगे। जिसके बाद मंत्रोच्चार और मांगलिक क्रियाओं के साथ आचार्यश्री के सानिध्य एवं बाल ब्रह्मचारी धर्मचंद शास्त्री और जिनेश भैया के निर्देशन ने वेदी भूमि का शिलान्यास संपन्न करवाया जायेगा, इस दौरान आचार्य श्री उपस्थित श्रद्धालुओं को मंगल आशीर्वचन देते हुए और वेदी का महत्व बताते हुए नवीन वेदी की स्वर्ण, रजत और ताम्र शिलाओं की स्थापना संपन्न करवाएंगे। गणिनी आर्यिका प्रमुख सुपार्श्वमती माताजी और गणिनी आर्यिका रत्न गौरवमती माताजी की मंगल प्रेरणा और आशीर्वाद से नवीन मंदिर का कार्य चल रहा है। इस अवसर पर समाजसेवी कमलचंद तारा देवी छाबड़ा, पुष्पेंद्र अशोक जैन पचेवर वाले, सीए मनीष निशा छाबड़ा, सपन रजनी छाबड़ा, रवि रितु छाबड़ा, मयंक जैन, अनिल जैन बोहरा, मनीष जैन, महावीर जैन, गौरव जैन, अभिषेक जैन बिट्टू, प्रमोद बाकलीवाल, जेके जैन, राजेंद्र बड़जात्या, अजित पाटनी वरुण पथ समाज समिति अध्यक्ष एमपी जैन, मंत्री ज्ञान बिलाला सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण सम्मिलित रहे।

अभिषेक जैन बिट्टू
कार्यक्रम प्रचार संयोजक

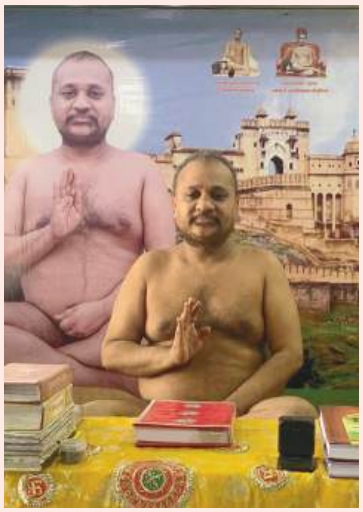

मुनिभक्त श्री अश्विनी जी जैन एवं श्रीमती मधु जैन

(परम संरक्षक श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर)
के विवाह के 42 वर्ष पूर्ण होने पर

हार्दिक बधाई

पुत्र अंशुल - पूर्वा, रोहन - सलोनी, प्रपौत्र रुचिर और अद्विक, नेमीसागर कालोनी जयपुर